AMAR UJALA
26-9-2019

'हिन्दी भाषा का संरक्षण राष्ट्रीय जिम्मेदारी'

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में आयोजित हिन्दी पखवाड़े का बुधवार को समापन हो गया। इस मौके पर आईसीएफआरई महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला ने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसको बढ़ावा देना व संरक्षण हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

महानिदेशक डॉ. गैरोला ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में हिन्दी के प्रयोग में आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि हम हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें। उप महानिदेशक विपिन चौधरी ने बताया कि हिन्दी पखवाड़ा के दौरान इस साल हिन्दी पखवाड़ा के दौरान टिप्पण लेखन, निबंध, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, हिन्दी टंकण, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं स्वरचित काव्यपाठ हुए। इसमें कुल 68 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला ने पुरस्कृत किया। समारोह में सहायक महानिदोशक डॉ. शामिला कालिया, उप महानिदेशक एसडी शर्मा, उप महानिदेशक कंचन देवी आदि उपस्थित रहीं।

DAINIK JAGRAN
26-9-2019

एफआरआइ को दिया गया राजभाषा पुरस्कार

प्रतियोगिता

- हिंदी पखवाड़े के तहत आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताएं
- हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को दिया गया पुरस्कार

जागरण संवाददाता, देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के हिंदी पखवाड़े के तहत एफआरआइ व अन्य अधीनस्थ संस्थानों में विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बुधवार को आयोजित समापन समारोह में परिषद के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला ने हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कार भी वितरित किए। इस अवसर पर राजभाषा हिंदी में बेहतर काम करने के लिए 'क' क्षेत्र में एफआरआइ व 'ख' क्षेत्र में वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (कोयंबटूर) को पहला पुरस्कार मिला। इसके अलावा वर्ष 2018-19 के लिए आइसीएफआरई के 10 कार्मिकों को हिंदी में बेहतर काम करने के लिए पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए महानिदेशक डॉ. गैरोला ने कहा कि पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष हिंदी के प्रति कार्मिकों का रुझान बढ़ा है। इसी तरह हिंदी में काम करने के प्रति कार्मिक दिलचस्पी दिखाएंगे तो यह हमारे समाज के लिए भी बेहतर है। हिंदी में काम करने से आम जनमानस भी आसानी से वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में समझ सकता है। कार्यक्रम में उप महानिदेशक कंचन देवी, सहायक महानिदेशक डॉ. शामिला कालिया समेत 100 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

SHAH TIMES
26-9-2019

राजभाषा का क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी: डॉ. गैरोला

■ आईसीएफआरई में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद् में 11 से 25 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया। बुधवार को भावाअशिप के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के साथ समापन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महानिदेशक भावाअशिप डॉ. सुरेश गैरोला ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि गत वर्ष के दौरान हिन्दी के उपयोग में आशातीत वृद्धि हुई है। उन्होंने जोर देते हुआ कहा कि राजभाषा का कार्यान्वयन हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

उप महानिदेशक (विस्तार) विपिन चौधरी ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण देते हुए बताया कि इस वर्ष हिन्दी पखवाड़ा के दौरान 7 प्रतियोगिताएं टिप्पण लेखन, निबंधा, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण, वाद-विवाद, राजभाषा हिन्दी क्विज एवं स्वरचित हिन्दी काव्यपाठ आयोजित की गई, जिनमें कुल 68 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने सूचित किया कि भावाअशिप राजभाषा पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2018-19 का राजभाषा पुरस्कार दिया जाता है। समारोह का समापन डॉ. शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में एसडी शर्मा, उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं कंचन देवी, उप महानिदेशक (शिक्षा) सहित लगभग 100 अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

RASHTRIYA SAHARA
26-9-2019

विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

आईसीएफआरई में हिन्दी पखवाड़ा का समापन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की ओर से 11 सितंबर से चल रहा हिन्दी पखवाड़ा का बुधवार को समापन हो गया। समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सभागार में बुधवार को स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के साथ हिन्दी पखवाड़ा का समापन हो गया। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि महानिदेशक डा. सुरेश गैरोला ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की अपेक्षा इस बार हिन्दी के उपयोग में वृद्धि हुई है। हिन्दी के प्रयोग की गति को सरकार द्वारा नियत लक्ष्यों की प्राप्ति तक बरबरार रखने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राजभाषा का कार्यान्वयक हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उप महानिदेशक (विस्तार) विपिन चौधरी ने बताया कि इस वर्ष हिन्दी पखवाड़ा के दौरान टिप्पणी लेखन, निबंध, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण, वाद-विवाद, हिन्दी प्रश्नोत्तरी एवं स्वरचित हिन्दी काव्यपाठ का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि एफआरआई राजभाषा पुरस्कारों के तहत क क्षेत्र स्थित वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को तथा ग क्षेत्र स्थित वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2018-19 का राजभाषा पुरस्कार दिया जाता है। शासकीय कार्यों में हिन्दी क्रियान्वयन में समग्र प्रदर्शन के लिए आईसीएफआरई मुख्यालय के दस कार्मिकों को राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उप महानिदेशक एसडी शर्मा, उप महानिदेशक कंचन देवी, सहायक महानिदेशक डा. शामिला कालिया सहित वैज्ञानिक व कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकार श्रमिकों के कल्याण को प्रतिबद्ध

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के लाभार्थी शिविर में श्रम मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा कि सरकार श्रमिकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। कैंट विधानसभा क्षेत्र में आयोजित शिविर में उन्होंने स्थानीय विधायक हरबंस कपूर को श्रमिकों के प्रति संवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि वह सभी विधायकों को, जिला पंचायत अध्यक्षों, ब्लाक प्रमुखों, नगर पालिका अध्यक्षों को पत्र लिख कर श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी दो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2005 में श्रम बोर्ड का निर्माण हुआ। उसके बाद 13 साल में में केवल 1.40 लाख श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन था। आज करीब तीन लाख के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। श्रम मंत्री ने कहा कि हमने 4000 साइकिलों के आर्डर दिए थे इसे अब 7000 कर दिया गया है। विधायक हरबंस कपूर ने कहा कि भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलने वाली पार्टी है। उनकी जयंती पर श्रमिकों के लिए कैम्प लगाकर उन्हें लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कपूर ने बताया कि बुधवार को 600 श्रमिकों को सामान वितरित किया गया। इस अवसर पर उदय सिंह, बबलू बंसल, संतोष कोठियाल, पीएल सेठ, भूपाल चंद, कुलदीप विनायक, मंजीत गुजराल, अनिता मल्होत्रा, हिमांशु गोगिआ, आशीष शर्मा, धीरज बिष्ट, रंजीत सेमवाल, शुभम नेगी, मीरा कठैत, शारदा गुप्ता, रमेश काला, विनोद पंवार, अर्चना पुण्डीर, रजनी देवी, मीनाक्षी मौर्य, सुमित शर्मा, सुमित पांडेय व राजेश क्षेत्री मौजूद रहे।

UTTAR BHARAT LIVE
26-9-2019

पंन्द्रह दिवसीय हिन्दी पखवाड़ा का समापन

हिन्दी में अधिक से अधिक प्रयोग करने का आहवान

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में बीते11 से 25 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। बुधवार को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के साथ समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला मुख्य अतिथि थे। कायक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुएगैरोला ने कहा कि गत वर्ष के दौरान हिन्दी के उपयोग में आशातीत वृद्धि हुई है और अब आवश्यकता है कि हिन्दी के प्रयोग की गति को सरकार द्वारा नियत लक्ष्यों की प्राप्ति तक बरकरार रखा जाए। उन्होने जोर देते हुआ कहा कि राजभाषा का कार्यान्वयन हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

महानिदेशक विपिन चौधरी ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण देते हुए बताया कि इस वर्ष हिन्दी पखवाड़ा के दौरान 7 प्रतियोगिताएं यथा, टिप्पण लेखन, निबंध, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण, वाद-विवाद, राजभाषा हिन्दी प्रश्नोश्ररी (क्विज) एवं स्वरचित हिन्दी काव्यपाठ आयोजित की गईं, जिनमें कुल 68 प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। उन्होंने सूचित किया कि परिषद राजभाषा पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित वन अनुसंधान संस्थान, दून को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2018-19 का राजभाषा पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2018-19 के दौरान अपने शासकीय कार्यों में हिन्दी क्रियान्वयन में समग्र प्रदर्शन हेतु भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय के दस कार्मिकों को भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

MILLENIUM POST
26-9-2019

HINDI FORTNIGHT

Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) celebrated Hindi Fortnight from 11 to 25 September. The closing ceremony of the event took place Wednesday in ICFRE Auditoriu[illegible]resh [illegible] DG, ICFRE was the Chief Guest on this occasion. The programme started with the ligh[illegible]e lam[illegible] Chief Guest. He stated that in ICFRE use of Hindi has increased in the last one year and w[illegible] need is [illegible]inue with this pace till we achieve the targets fixed by the Government. He further stressed that implementation of Rajbhasha Hindi is our national responsibility. Vipin Chaudhary DDG (Extn.), while delivering the welcome address laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Fortnight including seven competitions namely, Noting-Drafting, Hindi Essay Writing, Hindi Translation, Hindi Typing, Hindi Debate, Hindi Quiz and Self - Written Poetry Recitation in which 68 participants actively participated

PIC/MPOST